**Roll No. .....**

# ED–2323

## M. A. (Previous) EXAMINATION, 2021

HINDI

Paper third

(आधुनिक हिन्दी काव्य)

*Time : Three Hours*

*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य है। अशुद्धियों पर अंक काटे जायेंगे।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए। प्रत्येक 10

(क) निरख सखी, ये खंजन आये,
फेरे उन मेरे रंजन नेनयन इधर मन भाये।
फैला उनके तप का आतप, मन ने सर सरसाये,
घूमे वे इस ओर वहाँ, ये हँस यहाँ उड़ छाये।
करके ध्यान आज इस जन का निश्चय वे मुसकाये,
फूल उठे हैं कमल, अधर-से ये बन्धूक सुहाये।
स्वागत-स्वागत, शरद भाग्य से मैंने दर्शन पाये,
नभ ने मोती वारे, लो ये अश्रु अर्घ्य भर लाये।

अथवा

जिसे तुम समझे हो अभिशाप, जगत की ज्वालाओं का मूल,
ईश का वह रहस्य वरदान, कभी मत इसको जाओ भूल।
दुःख की पिछली रजनीबीच, विकसता सुख नवल प्रभात,
एक परदा यह झीना नील, छिपाये हैं जिसमें सुख गात।

(ख) अबे, सुन बे गुलाब,
भूल मत जो पाई खुशबू, रंगोआब,
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट,
डाल पर इतरा रहा है कैपिटलिस्ट।
कितनों को तूने बनाया है गुलाम,
माली कर रक्खा, सहाया जाड़ा-घाम।

अथवा

ज्यों-ज्यों लगती है नाव पार
उरद में आलोकित शत विचार!
इस धारा-सा ही जग का क्रम, शश्वत इस जीवन का उद्‌गम
शाश्वत है गति, शाश्वत संगम!
शाश्वत नभ का नीला विकास, शाश्वत शशि का यह रजत हास,
शाश्वत लघु लहरों का विलास!
हे जग-जलवन के कर्णधार! चिर जन्म-मरण के आर पार,
शाश्वर जीवन-नौका-विहार!
मैं भूल गया अस्तित्व-ज्ञान, जीवन का यह शाश्वत प्रमाण
करता मुझको अमरत्व दान!

(ग) दीप हैं हम· यह नहीं है शाप। यह अपनी नियति है
हम नदी के पुत्र हैं। बैठे नदी के कोड़ में
वह वृहद् भूखण्ड से हमको मिलाती है
और वह भूखण्ड अपना पितर है।

अथवा

जिसमें सोता है अखंड
ब्रह्मा का मौन
अशेष प्रभामय।
अचल धवलगिरी के शिखरों पर
बादल को घिरते देखा है
छोटे–छोटे मोती जैसे उनके शीतल तुहिन कणों को
मानसरोवर के उन स्वर्णिम कमलों पर गिरते देखा है।

2. "साकेत के नवम् सर्ग के करुणा, वेदना, दुःख दैन्य के साथ-साथ लोकमंगल की भावना की भी अभिव्यक्ति हुई है।" इस कथन की विवेचना कीजिए। 15

अथवा

"कामायनी में आधुनिक युग की समस्याओं का समाधान निहित है।" सिद्ध कीजिए।

3. महादेवी वर्मा वेदना और करुणा की कवयित्री हैं। सिद्ध कीजिए।15

अथवा

अज्ञेय की काव्य-संवेदना और शिल्प पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच कवियों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

प्रत्येक 4

(i) अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध के काव्य की विशेषताएँ।

(ii) भवानी प्रसाद मिश्र जी की काव्य-कला।

(iii) हिन्दी साहित्य में हरिवंश राय बच्चन का स्थान।

(iv) केदारनाथ अग्रवाल के प्रगतिवादी विचार।

(v) माखनलाल चतुर्वेदी की साहित्यिक विशेषताएँ।

(vi) इन्द्रबहादुर खरे के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

(vii) त्रिलोचन जी का संक्षिप्त परिचय।

(viii) दुष्यंत कुमार के गजलों की विशेषताएँ।

(ix) धूमिल के काव्य की विशेषताएँ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए : प्रत्येक 1

(i) मैथिलीशरण गुप्त किस धारा के कवि हैं ?

(ii) 'मधुशाला' किस कवि की रचना है ?

(iii) तार-सप्तक नामक कविता-संग्रह के संपादक का नाम लिखिए।

(iv) 'धूमिल' का पूरा नाम क्या था ?

(v) 'प्रियप्रवास' के रचनाकार कौन हैं ?

(vi) 'कामायनी' के प्रथम सर्ग का क्या नाम है ?

(vii) छायावाद के कितने आधार स्तम्भ है ?

(viii) निराला की पुत्री का क्या नाम था ?

(ix) आधुनिक युग की मीरा किसे कहा जाता है ?

(x) मुक्तिबोध ने अपने अंतिम समय में छत्तीसगढ़ के किस स्थान के महाविद्यालय में अध्यापन कार्य करते थे ?

(xi) नागार्जुजन का पूरा नाम क्या था ?

(xii) भवानी प्रसाद मिश्र की जंगल पर लिखी गयी प्रसिद्ध कविता का क्या नाम है ?

(xiii) 'साये में धूप' किसकी रचना है ?

(xiv) 'असाध्य वीणा' किसकी रचना हे ?

(xv) त्रिलोचन किस विचारधारा से प्रभावित हैं ?

(xvi) 'यामा' किसकी रचना का नाम है ?

(xvii) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना मुख्य रूप से किस विचारधारा के कवि हैं ?

(xviii) 'कुकुरमुत्ता' काव्य में किसके प्रति आक्रोश है ?

(xix) 'हालावाद' के प्रवर्तक कौन है ?

(xx) प्रकृति के सुकुमार कवि किसे कहा जाता है ?